**प्रेस नोट No: G/33 /2013-14 18 Dec 2013**

श्री सुनील सोनी, आईएएस, महानिदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो को दिनांक 18 दिसम्बर 2013 को नई दिल्ली में पुरस्कार समारोह के दौरान श्री अनिल जौहरी, सीईओ, राष्ट्रीय प्रमाणन निकायों का प्रत्यायन बोर्ड, भारतीय गुणता परिषद् द्वारा प्रत्यायन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया ।

भारतीय मानक ब्यूरो (भामाब्यूरो), उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय को IS/ISO 9001 : 2008 के अनुसार गुणता प्रबंधन पद्धतियों एवं पर्यावरणीय प्रबंधन पद्धतियों (IS/ISO 14001 : 2004 के अनुसार) राष्ट्रीय प्रमाणन निकायों के प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीसीबी), भारतीय गुणता परिषद् से प्रत्यायन प्रदान किया गया है । एनएबीसीबी द्वारा प्रत्यायन अंतर्राष्ट्रीय मानक, आईएसओ 17021: 2011 के अनुसार गुणता प्रबंधन पद्धतियों एवं पर्यावरणीय प्रबंधन पद्धतियों की भामाब्यूरो संबंधी गतिविधियों के ऑडिट एवं प्रमाणन की दक्षता, सुसंगति एवं निष्पक्षता के पुष्टिकरण के लिए तीसरा पक्ष है । एनएबीसीबी अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन फोरम (आईएएफ) एवं पेसिफिक प्रत्यायन सहयोग (पीएसी) का एक सदस्य है । साथ ही गुणता प्रबंधन पद्धतियों एवं पर्यावरणीय प्रबंधन पद्धतियों हेतु उनके बहु-पार्श्वीय करारों (एमएलए) के हस्ताक्षरी सदस्य हैं, जो इसके प्रत्यायनों को अंतर्राष्ट्रीय समानता देता है तथा इसलिए भामाब्यूरो के प्रमाणन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य होते हैं ।

वर्तमान में भारतीय मानक ब्यूरो देश और ऐसे अन्य देशों, जो संबंधों, करारों एवं ऐसे सभी संगठनों के लिए उनके आकार एवं संबद्धता का ध्यान रखे बिना इनके प्रचालन की संभावनाओं पर निर्भर है, उन्हें गुणता प्रबंधन पद्धतियों (IS/ISO 9001 : 2008), पर्यावरणीय प्रबंधन पद्धतियों (IS/ISO 14001 : 2004), खाद्य सुरक्षा प्रबंधन पद्धतियों (IS/ISO 22000 : 2005), एनर्जी प्रबंधन पद्धतियों (IS/ISO 50001 : 2011), जोखिम विश्लेषण एवं क्रांतिक नियंत्रण बिंदु (IS15000 : 1993), व्यवसाय में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन पद्धतियों (IS18001 : 2007) एवं सेवा गुणता प्रबंधन पद्धतियों (IS15700 : 2005) के क्षेत्र में प्रबंधन पद्धति प्रमाणन देने के लिए वचनबद्ध है । भामाब्यूरो की प्रबंधन पद्धति प्रमाणन संबंधी गतिविधियों में संगठन की प्रबंधन पद्धति/पद्धतियों की योग्यता के मूल्यांकन तथा संगठन को तीसरे पक्ष का प्रमाणन उपलब्ध कराने के लक्ष्यार्थ

गतिविधियों की श्रृंखला सम्मिलित है । लाइसेंसियों से फीडबैक लेने तथा उद्योगों को भामाब्यूरो की सेवाओं में और सुधार लाने की जरूरत हेतु रूपरेखा प्रस्तुत करने तथा किसी प्रकार के प्रचालन मुद्दों को सुलझाने के लक्ष्यार्थ भामाब्यूरो देश के 5 क्षेत्रों में प्रतिवर्ष पृथक-पृथक रूप से लाइसेंसियों के लिए समीक्षा बैठकें आयोजित करता है । भामाब्यूरो के प्रतिष्ठित ग्राहकों में केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, इस्पात मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, रेलवे मंत्रालय, आईओसीएल, एचएएल, एनटीपीसी, बीएसएनएल, एसीसी, अपोलो हास्पिटल इत्यादि शामिल हैं ।

प्रबंधन पद्धतियों के सामने भामाब्यूरो प्रमाणन व्यापक मार्किट को प्रभावित करने के साथ ही मार्किटिंग के अवसरों को बढ़ाने के लक्ष्यार्थ है तथा उद्योगों को सीधे लाभ देने के लिए भामाब्यूरो के 'लोगो' को प्रयोग करने का अधिकार देती है । भामाब्यूरो प्रबंधन पद्धति प्रमाणन गुणता, व्यापक अनुभव एवं आडिटरों की विविधता भामाब्यूरो प्रबंधन पद्धति प्रमाणन को प्रमुखतः बनाए रखती है । आडिटरों की दक्षता किसी प्रबंधन पद्धति की दक्षता तथा वास्तविक मूल्यांकन के लिए अनिवार्य है । भामाब्यूरो के पास विभिन्न विषयों के 90 लीड आडिटरों सहित 250 से भी अधिक कुशल, प्रशिक्षित एवं अनुभवी आडिटरों एवं विशेषज्ञों की श्रृंखला है ।

National Accreditation Board for Certification Bodies
NABCB
ACCREDITATION CERTIFICATE